ये अव्यक्त इशारे

एकाग्रता को अपनाओ, एकान्तप्रिय बनो

22-01-2023

एकाग्रता अर्थात् एक ही श्रेष्ठ संकल्प में सदा स्थित रहना। जिस एक बीज रूपी संकल्प में सारा वृक्ष रूपी विस्तार समाया हुआ है। एकाग्रता को बढ़ाओ तो सर्व प्रकार की हलचल समाप्त हो जायेगी। एकाग्रता के आधार पर जो वस्तु जैसी है, वैसी स्पष्ट देखने में आयेगी। ऐसी एकाग्र स्थिति में स्थित होने वाला स्वयं जो है, जैसा है अथवा जो वस्तु जैसी है वैसी स्पष्ट अनुभाव होगी।

Stay in solitude, Increase the practice of concentration

Concentration means to always be stable in one elevated thought. In the seed of one thought, the expansion of the whole tree is merged. Increase concentration and all types of upheaval will finish. On the basis of concentration you will be able to see everything clearly as it is. Those who remain stable in such a concentrated stage will be experienced to be as they are, whatever they are. Everything will be experienced to be as it is.